संक्षिप्त समाचार

एक अप्रैल से बदल जाएंगे बिल पेमेंट के नियम

नईदिल्ली, एजेंसी। भारतीय रिजर्व बैंक ने बिल भुगतान की प्रक्रिया को सुव्यवस्थित करने, भागीदारी बढ़ाने और ग्राहक सुरक्षा तय करने के लिए संशोधित मानदंड गुरुवार को जारी किए। केंद्रीय बैंक ने संशोधित भारतीय रिजर्व बैंक (भारत बिल भुगतान प्रणाली) दिशानिर्देश, 2024 जारी किया। पेमेंट सिस्टम में महत्वपूर्ण बदलाव के मद्देनजर मौजूदा नियमों को तर्कसंगत बनाने के लिए यह कदम उठाया गया है। आरबीआई ने कहा कि ये डायरेक्शंस बिल भुगतान की प्रक्रिया को सुव्यवस्थित करने, भागीदारी बढ़ाने और बदलावों के बीच ग्राहक सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए लाए गए हैं। ये दिशानिर्देश एक अप्रैल, 2024 से बैंकों, एनपीसीआई भारत बिलपे लिमिटेड और अन्य नॉन-बैंक पेमेंट सिस्टम प्रणालियों पर लागू होंगे। भारत बिल भुगतान प्रणाली (बीबीपीएस) एक इंटिग्रेटेड बिल पेमेंट प्लेटफॉर्म है, जो यूपीआई, इंटरनेट बैंकिंग, कार्ड, नकद और प्रीपेड भुगतान साधनों का उपयोग करके कई माध्यमों से बिलों का भुगतान करने में सक्षम बनाता है। इन माध्यमों में मोबाइल ऐप, मोबाइल बैंकिंग, जमाकर्ता एजेंट और बैंक शाखाएं शामिल हैं। अपडेटेड रेगुलेशंस के मुताबिक भारत बिल पे सेंट्रल यूनिट इस बारे में नियम-कायदे तय करेगी। साथ ही बीबीपीसी सिस्टम में हिस्सा लेने वाली यूनिट्स के लिए टेक्निकल स्टैंडर्ड्स भी तय करेगा। बिलर्स को बीबीपीएस पर लाने की जिम्मेदारी बिलर ऑपरेटिंग यूनिट की होगी। कस्टमर्स को डिजिटल या फिजिकल इंटरफेस देने की जिम्मेदारी कस्टमर ऑपरेटिंग यूनिट को दी गई है।

टोयोटा ने फरवरी में अब तक की सर्वाधिक मासिक बिक्री की

नई दिल्ली, एजेंसी। वाहन विनिर्माता टोयोटा किर्लोस्कर मोटर ने फरवरी में 25,220 इकाइयों की बिक्री के साथ अब तक की अपनी सबसे अच्छी मासिक थोक बिक्री दर्ज की है। कंपनी ने शुक्रवार को फरवरी के थोक बिक्री आंकड़े जारी करते हुए कहा कि उसकी आपूर्ति पिछले महीने 61 प्रतिशत बढ़कर 25,220 इकाई हो गई। एक साल पहले की समान अवधि में उसने 15,685 वाहनों की बिक्री की थी। कंपनी ने एक बयान में कहा कि पिछले महीने उसकी घरेलू बिक्री 23,300 इकाई रही जबकि उसने 1,920 इकाइयों का निर्यात किया। टोयोटा किर्लोस्कर मोटर के उपाध्यक्ष (बिक्री, सेवा, पुराना वाहन व्यवसाय) साबरी मनोहर ने कहा, हम विभिन्न क्षेत्रों से अच्छी ग्राहक पूछताछ के साथ मांग को बढ़ते हुए देख रहे हैं। खासकर एसयूवी और एमयूवी मॉडलों में ज्यादा मांग आ रही है।

न्यूयॉर्क कम्युनिटी बैंक में एक बार फिर संकट ने दी दस्तक

20% गिरा शेयर, 1997 के बाद न्यूनतम स्तर पर

बैंक ने कहा कि उसे सालाना रिजल्ट घोषित करने में होगी देरी

नईदिल्ली, एजेंसी। अमेरिका में एक और बैंक डूबने के कगार पर पहुंच गया है। न्यूयॉर्क कम्युनिटी बैंक के शेयरों में एक बार फिर गिरावट का सिलसिला शुरू हो गया है। इस महीने की शुरुआत में इसमें भारी गिरावट आई थी और बुधवार को भी इसमें 20 फीसदी गिरावट देखने को मिली। इसके साथ ही बैंक के शेयर की कीमत 1997 के बाद सबसे निचले स्तर पर पहुंच गई है। बैंक का कहना है कि उसने कंपनी कंट्रोल में मटीरियल वीकनेस की पहचान की है। इससे पिछली तिमाही में शेयरहोल्डर्स को 2.4 अरब डॉलर का नुकसान हुआ था। इससे बैंक पर एक बार फिर सवाल उठने लगे हैं। बैंक के मैनेजमेंट ने जिन समस्याओं की पहचान की है, वे इंटरनेल लोन रिव्यू से जुड़ी हैं। इसका मतलब है कि बैंक में निगरानी व्यवस्था, रिस्क मैनेजमेंट और मॉनीटरिंग एक्टिविटीज में समस्या है। पिछले साल फेल हुए कई बैंकों में भी इसी तरह की समस्याएं सामने

आई थीं। बैंक ने साथ ही कहा है कि वह इन समस्याओं को दूर करने पर फोकस करेगा। इस कारण उसे अपना सालाना रिजल्ट जारी करने में देरी होगी। इससे निवेशकों में खलबली मची हुई है। इसकी वजह यह है कि पिछले साल फेल हुए फर्स्ट रिपब्लिक बैंक ने भी अपने तिमाही नतीजों को जारी करने में देरी की थी। अमेरिका में करीब एक साल पहले बैंकिंग संकट ने दस्तक दी थी। इसमें तीन बड़े बैंक डूब गए थे। इनमें सिग्नेचर बैंक भी शामिल था। इसे न्यूयॉर्क कम्युनिटी बैंक ने ही खरीदा था। अब यह बैंक अपना वजूद बचाने के लिए जूझ रहा है। मूडीज ने हाल में इस बैंक की क्रेडिट रेटिंग डाउनग्रेड कर दी थी। अच्छी बात यह है कि इसका 60 फीसदी एसेट्स एफडीआईसी इंश्योरेंस में कवर्ड है। सिलिकॉन वैली बैंक के मामले में यह 10 फीसदी था।

पिछले साल का संकट

न्यूयॉर्क कम्युनिटी बैंक ने इस महीने की शुरुआत में चौंकाने वाली घोषणा की थी। उसका कहना था कि उसे कमर्शियल रियल एस्टेट मार्केट में भारी घाटा हुआ है। मूडीज के मुताबिक बैंक कई तरह की चुनौतियों से जूझ रहा है और उसके लिए कर्ज का भुगतान मुश्किल हो सकता है। कंपनी को साथ ही लिक्विडिटी की समस्या से भी जूझना पड़ सकता है। बैंक का एक तिहाई डिपॉजिट इंश्योरेंस के दायरे में नहीं है। अगर डिपॉजिटर्स का भरोसा डगमगाता है तो बैंक को फंडिंग और लिक्विडिटी का दबाव झेलना पड़ सकता है। भारी बिकवाली के बीच बैंक ने डिपॉजिटर्स और इन्वेस्टर्स को भरोसा जीतने की कोशिश की है। उसका कहना है कि बैंक के डिपॉजिट में 2023 की अंतिम तिमाही में मामूली तेजी आई है। अमेरिका में पिछले साल तीन बैंक डूब गए थे। यह अमेरिका में एसेट्स के हिसाब से 2008 के बाद सबसे बड़ा बैंकिंग संकट था। साल 2008 में अमेरिका में 25 बैंक डूबे थे जिनका कंबाइंड एसेट 374 अरब डॉलर था। पिछले साल सिलिकॉन वैली बैंक, सिग्नेचर बैंक और फर्स्ट रिपब्लिक बैंक डूब गए थे। साल 2022 में अमेरिकी बैंकों को 620 अरब डॉलर का नुकसान हुआ था।

असम में बनेगा टाटा का सेमीकंडक्टर प्लांट, एक ट्रिलियन डॉलर के मार्केट पर रतन टाटा की नजर

नईदिल्ली, एजेंसी। मोदी सरकार ने देश में सेमीकंडक्टर चिप के ईकोसिस्टम को विकसित करने के लिए कई बड़े फैसले लिए हैं। इनमें असम के जगीरोड में टाटा ग्रुप की फैसिलिटी को मंजूरी देना शामिल है। केंद्र सरकार ने असम में 27,000 करोड़ रुपये के निवेश से अत्याधुनिक सेमीकंडक्टर असेंबली और टेस्ट फैसिलिटी बनाने के लिए टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स के प्रस्ताव को मंजूरी दी है। यह फैसिलिटी 27,000 से अधिक प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार सृजित करेगी। साथ ही एआई, औद्योगिक और उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स में सेमीकंडक्टर चिप्स की वैश्विक मांग को पूरा करेगी। यह परियोजना भारत सरकार की सेमीकंडक्टर नीति और असम सरकार की इलेक्ट्रॉनिक्स नीति के अनुरूप है, जो पूर्वोत्तर भारत के औद्योगीकरण को पंख लगाएगी। टाटा ग्रुप की होल्डिंग कंपनी टाटा संस की सहायक कंपनी टाटा

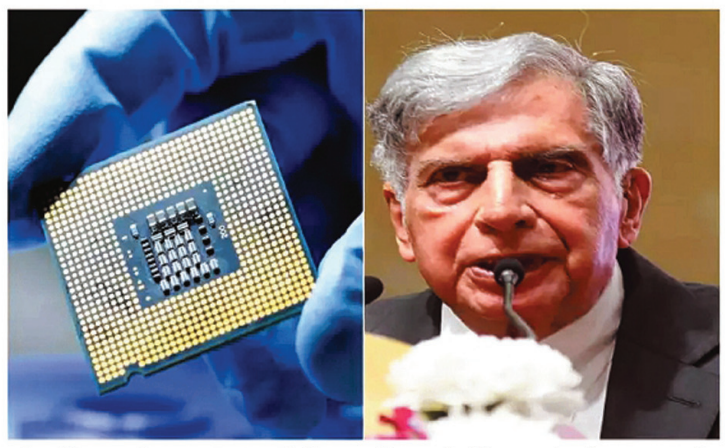

इलेक्ट्रॉनिक्स तीन प्रमुख तकनीकों - वायर बॉन्ड, फ्लिप चिप और इंटीग्रेटेड सिस्टम्स पैकेजिंग पर ध्यान केंद्रित करेगी। ये टेक्नोलॉजीज ऑटोमोटिव, कम्यूनिकेशन और नेटवर्क इन्फ्रास्ट्रक्चर में यूज के लिए महत्वपूर्ण हैं। इस फैसिलिटी का उद्देश्य एआई, औद्योगिक और उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स में सेमीकंडक्टर चिप्स की वैश्विक मांग को पूरा करना है। एआई पर आधारित डिजिटाइजेशन के लिए सेमीकंडक्टर्स सबसे अहम बिल्डिंग ब्लॉक है। टाटा ग्रुप ने एक बयान में बताया कि असम में सेमीकंडक्टर फैसलिटी का निर्माण इसी साल शुरू होगा। इसका पहला फेज 2025 के मध्य तक चालू होने की उम्मीद है।

बाहरी झटकों के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था ने अच्छा प्रदर्शन किया: एमपीसी सदस्य

नईदिल्ली, एजेंसी। आरबीआई की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की सदस्य आशिमा गोयल ने शुक्रवार को कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था ने कई बाहरी झटकों के बावजूद अच्छा प्रदर्शन किया है लेकिन इसकी मजबूती बनाए रखने के लिए प्रति-चक्रीय व्यापक आर्थिक नीतिगत उपायों की जरूरत होगी। गोयल ने कहा कि देश में मुद्रास्फीति कम हुई है लेकिन यह अभी भी लक्षित स्तर तक नहीं पहुंच पाई है। उन्होंने कहा, अर्थव्यवस्था के अच्छे प्रदर्शन में भारत की बढ़ती आर्थिक विविधता और झटके को कम करने में नीति की भूमिका रही। इन दोनों कारकों ने कई बाहरी झटकों के बावजूद भारत को अच्छा प्रदर्शन करने में मदद की। रिजर्व

बैंक ने घरेलू खपत में सुधार और निजी पूंजीगत व्यय चक्र में तेजी की वजह से अगले वित्त वर्ष के लिए सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर सात प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया है। जानी-मानी अर्थशास्त्री गोयल ने कहा, भू-राजनीतिक स्थिति के नाजुक होने से प्रति-चक्रीय नीति को अर्थव्यवस्था की स्वाभाविक मजबूती में मदद जारी रखनी होगी। उन्होंने कहा कि उच्च वृद्धि और कर उछाल होने से घाटे और ऋण अनुपात को कम करने की गुंजाइश पैदा होती है। हालांकि उन्होंने राजस्व बढ़ने पर अत्यधिक खर्च करने के लोभ से बचने की सलाह देते हुए कहा कि 2000 के दशक के उच्च वृद्धि दौर में यही गलती की गई थी जिससे एक दशक तक व्यापक आर्थिक कमजोरी बनी रही।

गोयल ने कहा, बुरे दौर में खर्च के लायक बने रहने के लिए अच्छे समय में खर्च को प्रति-चक्रीय बनाना, बफर तैयार करना और गुंजाइश रखना बेहतर है। उन्होंने मुद्रास्फीति पर एक सवाल के जवाब में कहा कि स्वीकार्य मुद्रास्फीति और वृद्धि के लिए वास्तविक दरों को आवश्यक स्तरों पर बनाए रखने के लिए दुनिया भर के केंद्रीय बैंकों ब्याज दरों में क्रमिक कटौती करेंगे।

चालू वित्त वर्ष के पहले नौ माह में देश में एफडीआई प्रवाह में कमी, 13 प्रतिशत घटकर 32 अरब डॉलर पर पहुंचा

नईदिल्ली, एजेंसी। देश में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) का प्रवाह चालू वित्त वर्ष के पहले नौ माह यानी अप्रैल-दिसंबर-2023 में 13 प्रतिशत घटकर 32.03 अरब अमेरिकी डॉलर रह गया है। सरकारी आंकड़ों से यह जानकारी मिली है।

मुख्य रूप से कंप्यूटर हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर, दूरसंचार, वाहन और फार्मा क्षेत्रों में कम निवेश के कारण एफडीआई घटा है। पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में देश में 36.74 अरब डॉलर का एफडीआई आया था। हालांकि, चालू वित्त वर्ष की अक्टूबर-दिसंबर तिमाही के दौरान एफडीआई प्रवाह 18 प्रतिशत बढ़कर 11.6 अरब डॉलर रहा है, जो 2022-23 की समान तिमाही के दौरान 9.83 अरब डॉलर था।

उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्द्धन विभाग (डीपीआईआईटी) के आंकड़ों के अनुसार, कुल एफडीआई प्रवाह (जिसमें इक्विटी प्रवाह, पुनर्निवेश आय और अन्य पूंजी शामिल है) अप्रैल-दिसंबर, 2022 के 55.27 अरब डॉलर के मुकाबले चालू

वित्त वर्ष के पहले नौ माह में सात प्रतिशत घटकर 51.5 अरब डॉलर रह गया है। चालू वित्त वर्ष के पहले नौ माह में कुछ प्रमुख देशों मसलन सिंगापुर, अमेरिका, ब्रिटेन, साइप्रस और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) से एफडीआई इक्विटी प्रवाह में कमी आई है। अप्रैल-दिसंबर, 2023 के दौरान केमैन आइलैंड और साइप्रस से एफडीआई घटकर क्रमशः 21.5 करोड़ डॉलर और 79.6 करोड़ डॉलर रह गया। एक साल पहले समान अवधि में यह आंकड़ा क्रमश 62.4 करोड़ डॉलर और 1.15 अरब डॉलर रहा था।

एचपी ने भारत में नए ऑफिसजेट प्रो प्रिंटर्स लॉन्च किए

भोपाल । एचपी ने विशेषरूप से भारत में एसएमबी की जरूरतों को ध्यान में रखकर तैयार किए गए ऑफिसजेट प्रो प्रिंटर्स की नई रेंज पेश की है। इस नवीनतम रेंज से अत्याधुनिक एवं सबसे भरोसेमंद, सुविधाजनक और पर्यावरण के अनुकूल प्रिंटिंग सॉल्यूशंस मिलेंगे, जिसका उद्देश्य उद्योगों की उत्पादकता बढ़ाना है। छोटे उद्यमी चाहे घर से, ऑफिस से या क्रिएटिव स्टूडियो से काम करें, उन्हें हर जगह से अपनी उत्पादकता को बेहतर करने में मदद मिलेगी।

एचपी इंडिया के सीनियर डायरेक्टर, प्रिंटिंग सिस्टम्स सुनीश राघवन ने कहा बढ़ते डिजिटलाइजेशन और हाइब्रिड वर्कफोर्स के साथ भारत में एसएमबी तेजी से विकास कर रहे हैं। एचपी छोटे एवं मध्यम उद्यमों के समक्ष आने वाली अलग तरह की चुनौतियों से निपटने और इनोवेशन में उनकी मदद करने के लिए प्रतिबद्ध है। हमारी ऑफिसजेट प्रो सीरीज में ए3 प्रिंटिंग क्षमता, बड़ी टच स्क्रीन,

इंटीग्रेटेड सिक्योरिटी और कनेक्टिविटी जैसे कई फीचर्स हैं, जिन्हें विशेषरूप से भारत में एसएमबी की विविध जरूरतों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। यह रेंज सुनिश्चित करती है कि सभी एसएमबी और हाइब्रिड वर्कर्स को एक आदर्श प्रिंटर सॉल्यूशन मिले तथा होम ऑफिस या बड़े ऑफिस जैसी किसी भी जगह से काम करते हुए उनकी उत्पादकता बढ़े एवं उनका विकास हो। नई ऑफिसजेट प्रो सीरीज में कई ऐसे फीचर्स है, जो आज के भाग- दौड़ भरे माहौल में आगे बढ़ने के लिए उद्यमों के लिए बहुत जरूरी हैं। इस पोर्टफोलियो में पी3 कलर सपोर्ट के साथ इंडस्ट्री में अपनी तरह के पहले वाइड-फॉर्मेट बिजनेस इंकजेट प्रिंटर्स शामिल हैं, जिनसे प्रिंटिंग एवं स्कैनिंग दोनों में ए3 तक सभी मीडिया साइज में बेहतरीन एवं सटीक कलर रिप्रोडक्शन सुनिश्चित होता है। सीरीज में बड़ी टच स्क्रीन और आधुनिक इंटरफेस की सुविधा दी गई है। साथ ही यूजर्स के अनुभव को प्राथमिकता पर रखा गया है, जिससे व्यवसाय को चलाना सुगम हो जाता है। पर्यावरण को ध्यान में रखते हुए इनमें 45 प्रतिशत तक रीसायकल प्लास्टिक का प्रयोग किया गया है, जो पर्यावरण अनुकूल प्रक्रियाओं को लेकर एचपी की प्रतिबद्धता के अनुरूप है। इसके साथ-साथ एचपी 938/925 ओरिजिनल इंक कार्ट्रिज भी पेश की गई है, जिससे प्रोफेशनल क्वालिटी प्रिंटिंग, सुरक्षा और पर्यावरण अनुकूल भविष्य के लिए ज्यादा रीसाइकिलिंग के साथ उपभोक्ताओं की प्रिंटिंग संबंधी जरूरतें पूरी होंगी।

ऑफिसजेट प्रो सीरीज में क्लाउड सॉल्यूशंस एचपी स्मार्टएप एवं एचपी वुल्फ सिक्योरिटी को सहजता से एकीकृत करते हुए प्रिंटिंग को नई ऊंचाई पर पहुंचाया गया है। इनमें सेल्फ हीलिंग डुअल बैंड वाई-फाई की सुविधा भी दी गई है।

सस्ता हुआ सोना, चांदी हुई महंगी

नई दिल्ली, एजेंसी। शुक्रवार को सोने की कीमतों में गिरावट जबकि चांदी में तेजी देखी जा रही है। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज सोने का वायदा भाव आज गिरावट के साथ 62,535 रुपए पर कारोबार कर रहा है। चांदी के वायदा भाव की शुरुआत आज तेजी के साथ हुई। यह 71,395 रुपए के भाव पर कारोबार कर रही है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने के वायदा भाव की शुरुआत सुस्ती के साथ हुई, जबकि चांदी के वायदा भाव पिछले बंद भाव पर खुलने के बाद बढ़ने लगे।

सोने का वायदा भाव

सोने का बेंचमार्क अप्रैल कॉन्ट्रैक्ट 62,567 रुपए के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव भी यही था। हालांकि खबर लिखे जाने के समय यह 62,535 रुपए के भाव पर कारोबार कर रहा था। इस समय इसने 62,578 रुपए के भाव पर दिन का उच्च स्तर और 62,535 रुपए के भाव पर दिन का निचला स्तर छू लिया। पिछले साल दिसंबर महीने में सोने के वायदा भाव ने 64,063 रुपए प्रति 10 ग्राम के भाव पर सर्वोच्च स्तर छुआ था। चांदी का बेंचमार्क मार्च कॉन्ट्रैक्ट आज 71,346 रुपए के भाव पर खुला। खबर लिखे जाने के समय यह 71,395 रुपए के भाव पर कारोबार कर रहा था।

अरिहंत कैपिटल ने कैप्टन पाइप्स लिमिटेड पर पॉजिटिव आउटलुक प्लांट विज़िट नोट जारी किया

नईदिल्ली, एजेंसी। कैप्टन पाइप्स लिमिटेड पीवीसी पाइप्स उद्योग में अग्रणी कंपनियों में से एक है। अरिहंत कैपिटल ने कैप्टन पाइप्स लिमिटेड पर पॉजिटिव आउटलुकप्लांट विज़िट नोट जारी कियाहै। इस नोट में कंपनी द्वारा किए जाने वाले मजबूत कैपेक्स और आगामी कैपेक्स, साथ ही मार्जिन और सस्टेनेबिलिटी में सुधार के लिए विशेष उत्पाद लाइनों के लिए विशेष बजट के साथ कंपनी के विकास को बढ़ावा देने की उम्मीद है। बिल्डिंग सेक्टर में वृद्धि से समग्र विकास की उम्मीद है। इससे पहले,कैप्टन पाइप्स लिमिटेड के बोर्ड ने 31 दिसंबर 2023 को समाप्त होने वाले तिमाही और नौ महीने के लिए कंपनी के अन-सत्यापित वित्तीय परिणामों को मंजूरी दी। बोर्ड ने वैधानिक मंजूरी के अधीन इक्विटी शेयर्स के राइट्स इश्यू के माध्यम से अधिकतम 50 करोड़ रुपये बढ़ाने की भी मंजूरी दी। इस राइट्स इश्यू के आयोजन के लाभ का उपयोग कंपनी द्वारा तिसरी तिमाही 2024 में घोषित विस्तार के लिए किया जाएगा।

वित्तीय वर्ष 2023 के पहले 9 महीने में 6427.73 लाख से वित्तीय वर्ष 2024 के पहले 9 महीने में 5608.64 लाख की ओर 12.8 प्रतिशत की गिरावट हुई। वित्तीय वर्ष 2023 के पहले 9 महीने में 224.55 लाख से वित्तीय वर्ष 2024 के पहले 9 महीने में 562.11 लाख की ओर 150 प्रतिशत की वृद्धि हुई। ईबीआईटीडीए मार्जिन्स- वित्तीय वर्ष 2023 के पहले 9 महीने में 3.49 प्रतिशत से वित्तीय वर्ष 2024 के पहले 9 महीने में 10.02 प्रतिशत की ओर 653 बेस पॉइंट्स से सुधार हुआ। पैट- वित्तीय वर्ष 2023 के पहले 9 महीने में 84.98 लाख से वित्तीय वर्ष 2024 के पहले 9 महीने में 307.70 लाख की ओर 262 प्रतिशत की वृद्धि हुई। तीसरी तिमाही वित्तीय वर्ष 24 और वित्तीय वर्ष 24 के पहले 9 महीने की वित्तीय झलकियां प्रस्तुत करते हुए प्रसन्नता हो रही है। ऑपरेशन से आय वित्तीय वर्ष 2023 के पहले 9 महीने में 6427.73 लाख रुपये से वित्तीय वर्ष 2024 के पहले 9 महीने में 5608.64 लाख रुपये से 12.8 प्रतिशत कम हो गई, क्योंकि पीवीसी रेजिन की कीमतों में कटौती ने कुल अदान-प्रदान को प्रभावित किया। कंपनी का ईबीआईटीडीए वित्तीय वर्ष 2023 के पहले 9 महीने में 224.55 लाख रुपये से वित्तीय वर्ष 2024 के पहले 9 महीने में 562.11 लाख रुपये तक 150 प्रतिशत बढ़ गया। ईबीआईटीडीए मार्जिन में भी वित्तीय वर्ष 2023 के पहले 9 महीने में 3.49 प्रतिशत से वित्तीय वर्ष 2024 के पहले 9 महीने में 10.02 प्रतिशत तक 653 बेसिस पॉइंट्स की वृद्धि दिखाई दी। इसके अलावा, टैक्स के बाद लाभ (पैट) 262 प्रतिशत बढ़ गया है ।

बिल गेट्स ने माइक्रोसॉफ्ट के भारत विकास केंद्र का दौरा किया

नईदिल्ली, एजेंसी। दिग्गज प्रौद्योगिकी कंपनी माइक्रोसॉफ्ट के सह-संस्थापक बिल गेट्स ने कंपनी के हैदराबाद स्थित भारत विकास केंद्र (आईडीसी) का दौरा कर कृत्रिम मेधा (एआई) से जुड़े अवसरों पर चर्चा की। माइक्रोसॉफ्ट ने बयान में कहा कि गेट्स मंगलवार को आईडीसी के दौरे पर पहुंचे जहां पर उन्होंने भारत के कुछ सबसे प्रतिभाशाली इंजीनियरों को संबोधित किया। माइक्रोसॉफ्ट आईडीसी के प्रबंध निदेशक राजीव कुमार ने कहा कि गेट्स एआई की वजह से भारत में पैदा हो रहे अवसरों को लेकर आशावादी नजरिया रखते हैं। कुमार ने कहा, एआई-संचालित भारत के अवसर पर गेट्स के आशावाद को दोहराते हुए आईडीसी भारत से माइक्रोसॉफ्ट के लिए एआई और क्लाउड से लेकर नवाचार को बढ़ावा देने के लिए उत्साहित है।